RAJYA SABHA

Friday, the 18th *August,* 2006/27 *Sravana,* 1928 *{Saka)*

The House met at eleven of the clock,

MR. CHAIRMAN in the Chair.

FELICITATIONS TO THE CHAIRMAN, RAJYA SABHA ON HIS COMPLETION OF FOUR YEARS IN THE OFFICE

कार्मिक,लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुरेश पचौरी): सभापति महोदय,मैं आपकी आरे से और आपकी आज्ञा से ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: मेरी आज्ञा से ?

श्री सुरेश पचौरी: मान्यवर,आप उस सर्वोच्च आंसदी पर विराजमान है,जिस पर डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन,डॉ.जाकिन हुसैन,श्री गोपाल स्वरूप पाठक,श्री हिदायतुल्ला जी,श्री वैंकट रमन जी,डॉ.शंकर दयाल शर्मा जी,श्री के.आर.नारायणन जी और श्री कृष्ण कांत जी जैसे देदीप्यमान नक्षत्र विराजमान रहे है । मान्यवर, आज आपने अपने कार्यकाल के सफलतापूर्वक 4 वर्ष पूरे किए है । हमारे प्रेरक,मार्गदर्शक और निर्देशक के रूप में आपने अपनी एक अमिट छाप छोड़ी है । इस अवसर पर,मैं ज्यादा लंबा कुछ न कहकर अपनी ओर से,सरकार की ओर से और सदन एक ओर से जहां तक तरफ आपके यशस्वी होने की कामना करता हूं,वहीं हम सब इस बात के भी आकांक्षी है कि अनेक वर्षो तक हमें आपका मार्गदर्शन मिलता रहे । इन्हीं शब्दों के साथ,हम फिर से आपके प्रति शुभकामनाएं व्यक्त करते है और विनम्रता पूर्वक प्रणाम करते है ।

श्री मती सुषमा स्वराज(मध्य प्रदेश)**:** सभापति जी,संसदीय कार्य मंत्री ने सदन की ओर आपके प्रति,जो भावनांए और शुभकामनांए प्रकट की है,उन्हीं के स्वर में स्वर मिलाते हुए,मैं यह कहना चाहती हूं कि आपने अपने सभापतित्व के 4 वर्ष बहुत यशस्विता के साथ पूरे किए है । राज्य सभा के सभापति का पद एक अनूठा पद होता है,क्योंकि राज्य सभा के सभापति भारत के महामहिम उपराष्ट्रपति भी होते है और इस गरिमामय सदन के सभापति भी होते है । इन 4 वर्षो में हमें आपका मार्गदर्शन तो मिला ही है,बीच-बीच में आपकी चुटकियां,बीच-बीच में आपकी फुलझड़ियां भी चली और इन सब के साथ-साथ हंसते-खेलते सदन भी चला । बहुत तनावग्रस्त

सदन के तनाव को भी एकदम से अपनी हंसी के फव्वारे से,समाप्त कर देने की आपकी खूबी रही है । इन सबके साथ आपने ये 4 वर्ष बहुत यशस्विता से पूरे किए है। मैं आपकी दीर्घ आयु की कामना करती हूं और आगे जो आपका कार्यकाल है,वह इसी तरह की यशस्विता से पूरा हो,मैं इसकी सद् भावना करती हूं और सदन के तमाम लोगों की तरफ से आपको बारम्बार शुभाकामना देती हूं ।

प्रो.रामदेव भंडारी(बिहार)ः सर,सभी को एक-एक मिनट का समय दे दें ।

श्री सभापति: इस तरह से तो क्वेश्चन ऑवर चला जाएगा । ...(**व्यवधान**)...

श्री अमर सिंह(उत्तर प्रदेश)ः सभापति जी, एक तरह से 4 वर्ष पहले आप इस आसन पर बैठे थे और सभापति की हैसियत से आज आपकी वर्षगांठ भी है । मैं आपको बहुत-बहुत बधाई देता हूं । ...(**व्यवधान**)...

एक माननीय सदस्य: क्षत्रिय सभा के माध्यम से ...(**व्यवधान**)...

श्री अमर सिंह: देखिए,इस विषय पर आप बोल सकते है,यदि मैं बोलूंगा तो मुझ पर जातिवाद का आरोप लग जाएगा । ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: आप जिस क्षत्रिय सभा के सदस्य है,मैं भी हूं । ...(**व्यवधान**)...

श्री अमर सिंह: इसलिए मैं ऐसा नहीं कहूंगा । मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: सुरेश पचौरी पर आशीर्वाद देने का आरोप लग जाएगा ...(**व्यवधान**)...

श्री अमर सिंह: जी,आपने अभिभावक के रूप में सदन को चलाया है और आपने इस गरिमापूर्ण आसन पर बैठने के बावजूद ,एक परिवार के सदस्य की तरह हमारे मान को,हमारे सम्मान को,कभी-कभी हमारी अकुलाहट को और हमारी व्याकुलता को,समभाव से सम्बोधन किया है । महोदय,इस उच्च आसन पर कई लोग बैठे है,लेकिन आपकी बात अनूठी है । आपकी बात इसलिए अनूठी है कि आपको राजनीति का भी अनुभव है,आपको डिपलोमेसी का भी अनुभव है और किसी के लिए कुछ न करके भी,आपको सबको प्रसन्न रखने का अनुभव है । आपसे कोई नाराज नहीं होता है,आप अजातशत्रु है । इसलिए मैं आपको सदन के सफल परिचालन के लिए और इस आसन पर आपके चार वर्ष पूरे होने पर बधाई देता हूं । ईश्वर करे कि हमें इसी तरह से आपका सान्निध्य और आशीर्वाद निरन्तर मिलता रहे । धन्यवाद ।

श्री सभापति: धन्यवाद ।

SHRI P.G. NARAYANAN (Tamil Nadu): Sir, you have completed four years in office. Sir, you made a mark in the House by conducting the House smoothly and by giving equal opportunities to all Members.

You have protected the rights and privileges of all Members. You are the only Chairman who occupied the posts of Chief Ministership and Vice-Presidentship. On behalf of the AIADMK, I wish you a happy and long life.

MR. CHAIRMAN: Thank you.

SHRI SITARAM YECHURY (West Bengal): Sir, I have only risen to wish you all the best in the future and to thank you. Sir, I have very limited experience in the House. It has only been less than a year. But you have been here for four years. Within this one year that I have seen, your conduct has been completely above board on all occasions and with your immense experience, both political experience and handling the Assembly and the Parliament, I think, you have made a mark, not only as the Chairman in this House, but as an esteemed Vice-President of our country for Indian democracy itself. I would cherish this contribution that you have made for Indian democracy; and I wish you many, many years of such contribution for the sake of India's future. Thank you.

MR. CHAIRMAN: Thank you.

प्रो.राम देव भंडारी: माननीय सभापति जी,आज आपके कार्यकाल के चार वर्ष पूरे हो रहे है । आप सदन के अभिभावक है । कभी-कभी लगता है कि यह जो आसन है,यह कांटों का ताज है,क्योंकि आपको सभी सदस्यों के साथ एक जैसा व्यवहार करते हुए सभी को प्रसन्न करते हुए,यह काम करना पड़ता है । आप हमारे बड़े गार्जियन है और हम चाहेंगे कि आप दीर्घायु रहें,वर्षो-वर्षो तक आप हमारा मार्गदर्शन करते रहें । इन्हीं शब्दों के साथ,मैं आपको मंगलमय शुभकामना देता हूं । बहुत-बहुत धन्यवाद ।

श्री सभापति: धन्यवाद ।

श्री मनोहर जोशी(महाराष्ट्र): माननीय चेयरमैन साहब,आपको शुभकामनाएं देते समय मुझे बहुत खुशी हो रही है । यह कुर्सी कैसी होती है,इसका मुझे भी थोड़ा अनुभव है । मैं तो वहां 2 साल ही था,आप इस कुर्सी पर चार साल रहे है और इन चार सालों के बाद भी आपको ब्लड प्रैशन नहीं हुआ,इसके लिए मैं आपका अभिनन्दन करता हूं । मैं यहां आने के बाद यही सोच रहा था कि लोक सभा का और राज्य सभा को जो काम होता है,उसमें फर्क होगा,लेकिन मैं ने देखा कि दोनों सदनों में बहुत अच्छे तरीके से काम चलता है और काम करने में हरेक को दिलचस्पी होती है । मैं सोचता हूं कि यह सब चेयरमैन के ऊपर निर्भर करता हूं कि हाउस कैसा चले । मैं ने इतना ही सोचा कि आपकी यशस्विता इसमें भी है कि सदन शुरू होने से पहले,आप कुछ महत्वपूर्ण मेंबर्स को चाय देते है और इतना अच्छा काम हो सकता है,

यदि सभी Presiding Officers को यह मालूम होगा,तो काम करने में किसी को भी कोई कठिनाई नहीं होगी,यही मेरा विश्वास है । आपका व्यक्तित्व भी इसमें एक कारण है । आपका व्यक्तित्व मुझे बहुत पंसद है । आप जवानी में कैसे दिखते थे,मुझे मालूम नहीं,लेकिन मैं यह जानता हूं कि जवान लोग जो काम नहीं कर सके,इस उम्र में भी आप उनसे अच्छा काम करते हो । इसलिए मैं आपको शुभकामनाएं देता हूं और आपको बहुत-बहुत बधाई देता हूं । आपको लंबी आयु मिले और आपकी बहुत तरक्की हो,यही प्रार्थना मैं शिव सेना की तरफ से करता हूं । बहुत-बहुत धन्यवाद ।

श्री सभापति: धन्यवाद ।

श्री एस.एम.लालजन बाशा(आन्ध्र प्रदेश)ः सभापति जी,आज हम सबके लिए बहुत ही खुशी का दिन है । आपने चार साल तो चार दिन के जैसे निकाल दिए,ऐसा सभी पार्टीज के लोग आपसे इतने प्यार-मोहब्बत से कह रहे है । सर,अभी recently मेरा राजस्थान का दौरा हुआ, as a Joint Parliamentary Committee on Wakf Boards , तो मुझे वहां जाने के बाद यह महसूस हुआ कि यदि आप इससे प्रोमोट होकर इस देश के प्रेसीडेंट बनें,तो देश की बहुत भलाई होगी । सर,यह मेरी ख्वाहिश है,क्योंकि वहां जाने के बाद मैंने आपकी कद्र देखी है,क्योंकि आपने राजस्थान की जिस हालत से तरक्की की है,उसे देखने के बाद मुझे बहुत ही खुशी हुई । सर,आपकी और कामयाबी के साथ-साथ आपकी अच्छी सेहत बनी रहे । मैं भगवना से यही Pray कर रहा हूं कि हम लोग जल्द से जल्द आपका प्रोमोशन देख सकें ।

श्री उदय प्रताप सिंह(उत्तर प्रदेश)ः सर,आप जिस तरह से सारे लोगों को मोहब्बत से जोड़ देते है,तो मुझे एक शेर याद आ रहा है ।

"जो खेमों में बंटे लोगों के दिल भी जोड़ देते है,
हकीकत में फरिश्तों को भी पीछे छोड़ देते है ।"

श्री शरद यादव(बिहार)ः सभापति जी,हमारा नम्बर तो अंत में लगा । ...(**व्यवधान**)...और भी है । अच्छा । सभापति जी,मुझे अच्छी तरह याद है कि ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: यह क्वैश्चन ऑवर है ।

श्री शरद यादव: सभापति जी,मुझे स्मरण आता है कि एनडीए की सरकार थी और पहले-पहले वर्ष में आप उपराष्ट्रपति हुए थे,फिर आप सदन में यहां आए,एनडीए की सरकार में हम लोग मंत्री थे । पहली बार मुझे आपके बारे में जो सबने कहा था,उसे मैं दोहराना नहीं चाहता हूं । मैं उनके साथ अपने आपको सम्बद्व करता हूं । लेकिन मेरे साथ जो आपका इस सदन के भीतर पहला संवाद हुआ,वह पीडीएस(पब्लिक डिस्ट्रिब्यूशन सिस्टम) पर हुआ । उस पर आपके

और मरे बीच में काफी,आप मुझसे झंझट भी करते रहे,प्राइम मिनिस्टर के साथ भी आपका इस पर,झंझट तो नहीं कहूंगा,लेकिन आपकी तरफ से आदेश हुआ और मेरे साथ जरूर। जो मैं कह रहा हूं,पहले वह ठीक था। यही कुछ दिन पहले की बात है,जब किसानों की आत्महत्या के सवाल पर बहस हो रही थी,तो आपने मंत्री जी से कुछ पूछने की कोशिश की कि आत्महत्याएं क्यों हो रही है,इसके और क्या कारण है ? बहुत से बड़े-बड़े लोग यहां बैठे है,एक-दो का मुझे भी अनुभव है । देश का बहुसंख्यक समाज पसीना बहा कर दौलत बनाता है,लेकिन देश वहीं बनाएंगे,जो उनकी चिन्ता करेंगे । आपके चार वर्ष के कार्यकाल में आपकी जो चिंता है,जिस आम आदमी के बारे में यहां आने का वादा करके यहां सरकार आई है,उस आम आदमी की जो बेचैनी है,उस बेचैनी की फिक्र और चिंता सदन के लोगों को बराबर आपने दिलाई । इसलिए आपके चार वर्ष पूरे होने पर मैंने दो बातें कहीं है । मेरा अनुभव बहुत सी बातों पर है,मैं उनके विस्तार में नहीं जाना चाहता । मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि यह सदन और जो हमारा लोकतंत्र है,यह देश की शानदार जगह है । आपने इस जगह बैठकर इसकी आन,बान और शान और बढ़ाने का काम किया है । मेरी कामना है कि आपके जो सपने है,आपकी जो चिंताएं है,वह सदन की भी,सबकी चिंताएं बन जाएं,यही इस देश की और आपकी सफलता का बड़ा काम है । आपकी उम्र और आगे बढ़े,आप यशस्वी हों और जो सदन के लोगों ने कहा,वह हमारी इच्छा है,लेकिन आप बैठे है,इसलिए हम नहीं कहेंगे । हम पीछे से ज्यादा तारीफ करते है । मैं इतना ही कह कर अपनी बात को समाप्त करता हूं । धन्यवाद ।

SHRI N. JOTHI (Tamil Nadu): There is a scene in Ramayana, written by Kambar, in Tamil, we call it Kambar Ramayana. The scene is like this. Rama, after succeeding against Ravana, had his coronation along with Sita—there is no Sita here—and during the coronation one after the other poets and great people come and praise Rama. Here, Kambar says, "than namam thane kettan", which means, he listened to his own honours and greatness. Like that, the hon. Chairman is being praised by all of us, cutting across the party lines.

Sir, I would like to know two secrets from you. One, how you look so youthful and cheerful? What is the secret behind it? Second, you are always calm and quiet, which I never have. What is the secret behind it? Please tell us this, so that I can get motivated by you.

I wish you all the best. May you win many more laurels! You are a fit person to win many more laurels. I will be your chief campaigner, if you could come to that.

डा.फारूख अब्दुल्ला(जम्मू और कश्मीर): "हजारों साल नरगिस अपनी बेनूरी पे रोती है,बड़ी मुश्किल से होता है चमन में दीदा-ए-वर पैदा" ।

मैं इन की रियासत में पढ़ा हूं । मैं ने वहीं पानी पिया है,जो इन्होंने पिया है और जिस तरह से इन्होंने उस चमन को इतना बुलंद किया कि आज राजस्थान सचमुच में हमारी एक चमकती हुई रियासत है,उसी तरीके से इन्होंने एक वालिद की हैसियत से इस चमन को भी संभालकर रखा है । कई दफा वहां से शोर उठता है,कई दफा यहां से शोर उठता है, मगर बड़ी बराबरी की तरह से यह बच्चों को चुप कराते है । मैं अपनी तरफ से आप को मुबारक करता हूं कि इन चार सालों पर । मै उम्मीद करता हूं,हमारे साथी भी और यहां के साभी भी,चाहे जिन पार्टियों से ताल्लुक रखते है,आप को उस मुकाम पर पहुंचाएंगे जहां आप भारत का नाम और ज्यादा रोशन करेंगे । हमारी उम्मीदें यही है । अल्लाह आप को सलामत रखे,आप को सेहत बख्शे ।

आप से एक बात जरूर कहना चाहता हूं कि ये हर वक्त हंसते हुए दिखेंगे । मैं ने एक दफा राजीव गांधी से पूछा,वह लाल दिखते थे हर वक्त,मुझे अपनी बहनें माफ करें,हमें लाल दिखने के लिए कभी-कभी रूज लगानी पड़ती है । तो मैं उन से पूछा क्या आप कोई रूज लगाते है,आप कोई चीज लगाते है जिस से आप हर वक्त लाल दिखते है ? तो उन्होंने कहा कि,रूमाल से देख लो,अगर कोई रंग उतरता है । उसी तरह इन का भी वही हाल है । भगवान ने इन को अंदर से वह शक्ति दे रखी है जिस से ये हर वक्त जवान दिखते है ।

बहुत-बहुत मुबारक,इन चार सालों पर ।

DR. PC. ALEXANDER (Maharashtra): Mr. Chairman, Sir, all those who spoke before me were representing various political parties. There are about a dozen of us who are 'unattached'. On behalf of these Members, I wish to join the chorus of compliments for you. What has impressed us all, irrespective of affiliating with political parties, or unattached strategy, is the manner in which you dealt with each person, the manner in which he deserves to be dealt with. You have been able to handle the irrepressible veteran parliamentarians like, Mr. V. Narayanasamy, on the one side, and Mr. Ahluwalia, the most experienced, veteran parliamentarian on the other side. And, more important than that, even when you have scolded Paniji, I have seen him coming to you and touching your feet with reverence. In other words, you have no enemies on any side of this House. We are most grateful to you because we all look up to you as a father figure on whom we can always depend. We the unattached Members, are particularly grateful to you for the chances or opportunities given to us which remind us that we are also Members of the House. Thank you.

श्री सभापति: श्री बी.जे.पंडा। ...(**व्यवधान**)...आपने क्वैश्चन आवर खत्म करा दिया ...(**व्यवधान**)...आपकी रेस्पोंसिबिलिटी है ...(**व्यवधान**)...मैंने बताया न ...(**व्यवधान**)...आपके पचौरी जी ने क्वैश्चन आवर खत्म करा दिया ...(**व्यवधान**)...

श्री ललित सूरी(उत्तर प्रदेश): सर,यह लड़ाई-झगड़े के कारण खत्म नहीं हुआ है ...(**व्यवधान**)...

SHRl B.J. PANDA (Orissa): Sir, in these four years you have not only upheld the prestige of your high office, but I have no hesitation in saying that you have enhanced the prestige of your office. By your conduct and you already came with a big reputation—you have not only earned our respect but, I think, more important than that, you have touched all our hearts. Sir, on behalf of the Biju Janata Dal Party and the people of the Orissa, I would like to convey our deepest regards to you and our sincere good wishes for a long and more successful life. Thank you.

श्री तारिक अनवर (महाराष्ट्र): सभापति महोदय,मैं सबसे पहले आपके चार वर्ष पूरे होने पर अपनी ओर से मुबारकबाद देना चाहता हूं । यह बात भी सच है कि कुछ लोगों का,कुछ व्यक्तियों का पद पाने के बाद व्यक्तित्व निखरता है और कुछ व्यक्ति ऐसे होते है,जो उस पद की गरिमा को बढ़ा देते है । आपका जो राजनीतिक अनुभव है,शायद यही कारण है कि जिस तरह से आप सारे हाऊस को विश्वास में लेकर चलते है और बड़े प्यार से बिल्कुल एक स्कूल के हेडमास्टर की तरह..(**व्यवधान**)...कभी प्यार से,कभी डांट के,कभी समझा के सरकारी पक्ष को भी और विपक्ष को भी,सभी को अपने साथ विश्वास में लेकर आप चलते है,मैं समझता हूं कि यह आपके लंबे राजनीतिक अनुभव की देन है ...(**व्यवधान**)...यह आपकी खूबी है । मैं आपको अपनी ओर से और अपनी पार्टी की ओर से बधाई देता हूं और उम्मीद करता हूं कि आप इसी तरह से पदा की गरिमा को बनाए रखेंगे और इस सदन की तथा देश की सेवा करते रहेंगे ।

श्री सभापति: श्री राहुल बजाज । ...(**व्यवधान**)...

श्री वी.नारायणसामी(पांडिचेरी): सर, ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: नहीं,आपका तो अंत में है ...(**व्यवधान**)...

एक माननीय सदस्य: सर,बगैर नारायणसामी के यह पूरा नहीं होगा ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: अंतिम वक्ता यहीं है ...(**व्यवधान**)...

श्री राहुल बजाज(महाराष्ट्र): सभापति महोदय,मैं आपके यहां एक सबसे नया और शायद सबसे ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: यह मैडेन स्पीच नहीं होगी ...(**व्यवधान**)...

श्री राहुल बजाज: मैम्बर होने के नाते आपके लिए देश की तो शुभेच्छा लाया ही हूं,पर महाराष्ट्र से भी लाया हूं । मैं सब को आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि भैंरों सिंह जी और मैं राजस्थान के एक ही डिस्ट्रिक्ट,सीकर से आते है । इसलिए मैं इनको शरू से,वर्षो से अपना बड़ा भाई मानता हूं । हम सब,जैसा लोगों ने कहा है,यही आशा करते है कि आपने यहां पर,इस कुर्सी पर,जो चार साल इतनी अच्छी तरह से बिताए है और अब आगे दूसरी कुर्सी पर जाएं,उसके लिए आपको हम सब को सपोर्ट है और शुभकामनाएं है ।

DR. M.S. GILL (Punjab): Hon'ble Chairman, Sir, with your permission, today, I will speak on this subject in Punjabi. Sir, you can understand Punjabi. I hope, other Hon'ble Members will also be able to understand it.

*Sir, you have completed four years in your present post. I had the privilege of first meeting you in the office of the late Prime Minister Moraraji Desai. You, the Chief Minister of Rajasthan, were there along with Sardar Prakash Singh Badal, Chief Minister of Punjab and Chaudhari Devi Lal Ji. All of you were stalwarts. But, you were the tallest among them, Sir. And you were the tallest not only in height, but in stature too. Hon'ble Bhairon Singh Shekhawat had a golden heart and a sharp mind. And that is more important.

Now, you have completed four years presiding over this august House. I too have completed over two years here. But, the commendable way in which you have conducted the proceedings of the House, it seems as if these four years have passed in a matter of four minutes. Unfortunately, two years of my tenure have also passed in a matter of two minutes. I am concerned.

Sir, I can see stalwarts on all sides in the House. Many a time, efforts are made to terrify others. Raised voices can be heard. Anger is visible. However, Sir, I have seen lions being reduced to rats here. Those who are intelligent, know the strength of others. They know that like the great strongman Bheema of yesteryears, Hon'ble Bhairon Singh Sekhawat is more than a match to anyone. Your work in this august House has been commendable

Sir, I envy you for the remarkable way in which you conduct the proceedings of the House. However, I also feel sorry for you, because

---

*The Speech was originally delivered in Punjabi.

the Hon'ble Members test you patience. I have seen the proceedings of British Parliament. However, your role as Bhishma Pitamah is something to be emulated. You have a large heart. You never lose your cool. You give equal opportunity to all the Hon'ble Members. You impart justice to everyone.

Sir, today is an auspicious day. Whether you continue to guide us in this capacity after an year, or you touch greater heights, I convey my best wishes to you. May Wahe Guru bless you. Thank you.

SHRIMATI JAYA BACHCHAN (Uttar Pradesh): Sir I do not know whether I should speak from the experience of the previous two years or just one month that I have been here. Anyway, thank you for having given me this opportunity, which I seldom get. Sir, I have seen, in the last few years, many politicians, many diplomats, but never seen a person who is a politician and a diplomat together, except you. The people to whom you have been fair feel very happy, the people who are unhappy with certain opportunities that they are not given on the floor of the House, you fulfil that behind the doors. I think आपकी खिचड़ी में जो मिठास है,वह शायद रसगुल्ले में भी न हो । मगर आप खिचड़ी भी खिलाते है,रसगुल्ले भी खिलाते है ।

श्री संतोष बागड़ोदिया(राजस्थान): सन्देश ?

श्री मती जया बच्चन: सन्देश का तो पता नहीं । but I would like to say, not only as Member of Parliament, but individually and personally also, that you have always been very kind and generous to me. As for my experience as the Chairperson of the Children's Film Society, when you were the Chief Minister of Rajasthan, I remember, how kind you were, how generous you were. I have also to say that you have maintained the same personal relationship with me, maybe, not on the floor, but, definitely, when I go and see you, you have always blessed me which have given me strength and encouragement to come back and face a lot of other difficulties. You have taught me not to be a defeatist and you have taught me by being present there, by facing a lot of antagonism and a lot of aggression, but dealing with it in a very calm and cool manner. That is what I have learnt from you; that is what I have practised; and that is what I have done. At a time when I was going through a bit of a difficult period, you had encouraged me, Sir, and I hope you will continue to encourage me. I also hope-with due respect to the ruling party-that

I will be given the opportunity to complete my term. I hope that you will continue to give me the strength that you have always given.

I wish you all the best and we need you here. I hope with the help-and I know for sure for this side--and with the kind words that they are saying today, they will see to it that you continue with us and with the entire House for the next term as well. Thank you very much. Wish you all the best.

DR. GYAN PRAKASH PILANIA (Rajasthan): Sir, I have the honour to greet you as a humble *Rajasthani.* I have served for fifty-five years with you. I wanted to share with this august House how you are adored as a demi-God in Rajasthan, how they worship you and how they remember your historic step of starting *Antyodaya Yojana,* not only in Rajasthan but also in the whole of India. It was a pioneering step, and they take you not as a Chief Minister or as a *Uprastrapati* or as a *Sabhapati* of this august House, they take you as a *Vaisnav Jan:-*

"वैष्णव जन तो तेने कहिये,जे पीर पराई जाणे रे,

पर उपकार करे तोये,मन अभियान न आणे रे।"

You have been serving the people of Rajasthan and the country with such a devotion that it is difficult to give any example. It is difficult to describe it. I can only say one word about you, Sir, that you are Ajatshatru'; you are 'Devanampriya'; and I will say only this thing— जीवेम् शरदः शंत,श्रुणियां शरदः शतं,प्रब्रवाम शरदः शंत,अदीना स्याम शरदः शंत,भूयः च शरदः शतात।

DR. BIMAL JALAN (Nominated): Thank you very much, Mr. Chairman, Sir, for giving a chance to a non-political and non-elected Member who happens to have the great privilege of being in the midst of great political leaders of our time, and I thought I would share with you a little of my experience here over the past three years in regard to what I have seen.

Sir, one thing which is most impressive about our democracy is the equality of people all around us, in the sense, that I am unelected, I am non-political, but I have the same rights as anybody else-some of the great leaders on this side, on that side, wherever you come from-and I think it is a great, great privilege to watch these proceedings. What I

have admired most about you, Sir, is your sense of humour. We all get depressed, at times, about the activities which go on in the House, the disruptions, the interruptions, the sort of lack of procedures and so on and so forth. But, in the midst of all this, as somebody, who comes from a different background entirely, what I have found is, we have a political leader with us with such a tremendous sense of humour, organisation and complete courtesy to even many of us who are here for the first time.

So, Sir, I would like to congratulate you, and I must tell you that while we are all discountented with the way of working of our democracy sometimes, we are proud of the rewards that you have conferred on all of us.

Sir, I hope that we would have many, many happy years of your leadership in this House and elsewhere. Thank you very much, Sir.

श्री राज मोहिन्दर सिंह मजीठा(पंजाब): महोदय,यहां आपने चार साल पूरे किए ,उसके लिए मैं आपको बधाई देना चाहता हूं । जिस तरह हाउस को आपे चलाया और मुझसे पहले जो भी एम.पीज.बोले है,उन सबने आपको बधाई दी है । मैं तो एक ही बात कहता हूं कि जब उस दरवाजे से आप निकलते है कि जिस तरह से मनोहर सिंह गिल साहब ने कहा,कोई शख्शियत कदावर भी हो,दिमागी भी ठीक हो,और अंदर से भी सोहणी हो तो वे है भैंरों सिंह जी शेखावत । जब उस दरवाजे से आप आते है तो देखते ही मन खुश होता है,जैसे किसी बारात का लाड़ा सोहणा हो तो कुड़ियां बहुत खुश होती है ।

*Sir, if the bridegroom in a marriage-procession is handsome, the women of the bride'a side are elated, however, if the bridegroom is not handsome, the women do not show any zeal to welcome him. Similarly, when you come to this august House, We are elated and we all greet you in our respective mother-tongues. Sir, I congratulate you for completing four years as Chairman of Rajya Sabha. On this occasion, as a representative of Punjab, Sikhs and the people of Doaba, I felicitate you. I earnestly hope that the almighty God will bless you to attain greater heights so that you may further serve the country. Thank you.

श्री दारा सिंह(नाम-निर्देशित): चेयरमेन सर,मै हाऊस में बहुत कम बोलता हूं,सिर्फ सुनता हूं और सब के विचार ग्रहण करता रहता हूं और आपको चार साल पूरे करने का सभी लोगों को कंट्रोल करके हाउस को चलाने के लिए बधाई देता हूं । एक मेंबर ने जो कहा मास्टर वाली बात

---

*The Speech was originally delivered in Punjabi.

वह मैं हाउस को बताना चाहता हूं कि जो लोग टी.वी.देखते है,उनमें से मेरी बीबी भी टी.वी.देख रही थी और जब यहां शोर मच रहा था तो आप हाउस का कंट्रोल कर रहे थे तो उन्होंने मेरे से कहा कि भैंरों साहब की ड्यूटी तो मास्टर से भी खराब है,इनको छोड़ देनी चाहिए । मैंने कहा कि नहीं,वे मुस्कराते हुए,हंसते हुए हाउस को कंट्रोल करते है । यहां हाउस में सभी के तरह-तरह के दिमाग है,अलग-अलग सब को कंट्रोल करना बड़ी मुश्किल बात है । आप अच्छी तरह से कर रहे है,बहुत अच्छी बात है । मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं ।

श्री सभापति: मेरा विश्वास है कि आपकी पत्नी ने यहां की कार्रवाई को देखकर आपको कंट्रोल में रखना सीख लिया होगा ।

DR. K. MALAISAMY (Tamil Nadu): Mr. Chairman Sir, Time-honoured, Chairman, Sir, you have completed four years in office. I have completed only two years, but I have learnt so many things. What I could not learn in several decades, I could learn within a period of two years. I have been listening to my colleagues who have been patting, praising and saying tall words about you. If I were asked, I would sum up all these words with a couplet of Shakespeare:

"Age cannot wither her nor customs stale her infinite variety."

You are a man of varieties; you are a man of infinite variety.

Sir, I am inspired by Mr. Jothi to cite two sentences in Tamil from *Kamba Ramayana.* When Lord Rama, who had such a great personality, great strength and so on, was walking in a procession along the streets of Ayodhya, young, energetic and beautiful, girls were looking at him from storeys.

Thol Kandar Thole Kandar, Raman Thal Kandar Thale Kandar; Thal Kandar Thol Kanavillai; Thol Kandar Thal Kanavillai.

It means, people who were trying to have look at Lord Rama from a height could only look at his shoulders. Some of them saw his feet alone.

Thus, some people see one side of his while others could see the other side alone and his totality is not seen.

Similarly, while analysing the various traits in you, some people have seen certain aspects, while others have seen some others but not in totality. In totality, the Chairman is unique, unique and unique.

श्री तरलोचन सिंह(हरियाणा)**:** माननीय चेयरमेन सर,इस हाउस में जो यह तीन लाइनें पीछे की है,इनको शायद ही कभी मौका मिलता है । ऐसा लगता है कि जो यह आपके साथ खड़े है ये लेफ्ट राइट देखते है,सामने वालों को देखने का कम ही इनको मौका मिलता है,जहां मैं सब में शामिल हूं आपको बधाई देने के लिए,वहां गुरूनानक देव जी का एक श्लोक है:

"जननी जने तो भगत जन,क्या दाता क्या शूर"

यह जो तीन क्वालिटी इंसान में होनी चाहिए वे परमात्मा ने आपको दी है । मैं सिर्फ एक बात यहां,जो मेरे तमाम भाई-बहनों ने कही है,उसमें ऐड करना चाहता हूं कि मुझे मॉइनारिटी कमीशन के माध्यम से जब सारे भारत में जाने का अवसर मिला,तो राजस्थान में जब भी,कभी कोई वाकया हुआ,तो लोग आपकी मिसाल देते थे । जब श्री भैरों सिंह जी मुख्य मंत्री थे,तो सबसे अच्छे फिरकू माहौल की मिसाल जो आपने देश में कायम की,बावजूद आप एक पार्टी के थे,लेकिन तमाम कौमें आप पर ऐसा विश्वास करती थीं कि आप उन्हीं के थे । मैं समझता हूं कि आज के माहौल में,जहां हम हर रोज़ ऐसी बातें पढ़ते है,आपने एक ऐसी मिसाल कायम की,जिसको सारे देश में फॉलो करना चाहिए । मैं और मेरे पीछे जो सदस्य बैठे है,हम आपको बधाई देते है । मैंयही कामना करता हूं कि परमात्मा इससे भी जो बड़ी सीट है,यूनेनिमसली आपको इलेक्ट करें,ताकि सारा देश इसी माहौल में,इसी रंगे में,आपको देखें । धन्यवाद ।

श्री नदी येल्लैया(आन्ध्र प्रदेश)**:** सभापति महोदय,पांच साल के समय में से आपका चार साल का समय कम्पलीट होने पर कई माननीय सदस्यों ने आपको बधाई दी है । क्योंकि आपकी एक चेयरमैन की हैसियत से,यहां पर जितनी भी कार्यवाही होती है,उसमें आपकी कंट्रोलिंग कैपेसिटी अच्छी रही है ।

सर,हमारे हैदराबाद के अंदर बहुत से राजस्थान के लोग है । वे हर वक्त,आपका हर छोटा-सा फंक्शन भी हो,उसे देखना चाहते है । मैंने सुना है कि आप राजस्थान के मुख्य मंत्री की हैसियत से और आज भी उपराष्ट्रपति की हैसियत से हर गली में घूमते रहे है । आपको लोग चाहते है,क्योंकि आप पब्लिक लाइफ के अंदर,एक दफा चुनने के बाद,चाहे आप बड़ी कुर्सी पर हों या छोटी कुसी पर हों,उनमें कोई फर्क नहीं समझते । हमारे हैदराबाद के अंदर आपको उपराष्ट्रपति की हैसियत से बहुत दफा कई फंक्शनों मे भाग लेने का मौका मिला । आज भी आपको जब कभी समय मिलता है,तो आप राजस्थान में जाने की कोशिश करते है । मैंने हाउस में यह देखा है कि आपके चारसाल के पीररियड के अंदर बहुत से मसले यहां पर आये,चाहे वह पक्ष का हो या विरोधी पक्ष का हो,अगर उसका प्रॉब्लम यहां सॉल्व नहीं हुआ,तो फौरन चैम्बर में बुलाते है । मैं आपके लिए प्रार्थना करूंगा कि आपका स्वास्थ्य ठीक रहे और आप अच्छी तरह से सदन को चलाते रहें । धन्यवाद ।

श्री विक्रम वर्मा(मध्य प्रदेश)**:** सर,रियल सेंस ऑफ हाउस सामने आ गया है,अब कमसे कम यह बात वहां तक कन्वे हो जाये । ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: नहीं,नहीं ,कोई कन्वे करने की जरूरत नहीं है ...(**व्यवधान**)...श्री दिनेश त्रिवेदी ।

श्री दिनेश त्रिवेदी(पश्चिमी बंगाल)**:** धन्यवाद सभापति महोदय,हमारे मित्र ने अभी बैंक बैंचर्स का जिक्र किया ,मैं कहना चाहता हूं कि बिल्कुल निराश मत होइये । अभी शायर ने कहा कि फरिश्तों को भी पीछे छोड़ देते है,तो शायद उनका नजरियाइन फरिशतों पर है,जो हम पीछे बैंक बैंचर्स पर बैठे हुए है । सभापति महोदय,आपके कार्यकाल के चार साल पूरे हुए,यह बड़ी खुशी की बात है,मगर जब हमारे छह साल पूरे होते है,तब पता नहीं कि हमें खुशी होती है कि गम होता है । इस मौके पर बहुत कुछ कहना चाहता हूं,मगर दो शब्दों में,मैं यह कहूंगा कि वर्षो-वर्षो तक आपके आशीर्वाद की वर्षो हम पर होती रहे । धन्यवाद ।

श्री सभापति: डा.(श्रीमती) नजमा ए.हेपतुल्ला । लम्बा-चौड़ा नहीं,सिर्फ एक मिनट में बोल दीजिएगा ।

डा.(श्रीमती) नजमा ए.हेपतुल्ला(राजस्थान)**:** सर,ये जो बातें यहां पर हो रही थी,सब लोगों ने इतनी अच्छी-अच्छी बातें आपके बारे में कही,मैं सबको इंडोर्स करती हूं । मगर ये सब बाहर की बातें थी,क्योंकि इस साल में से दो साल मैंने आपके साथ अंदर काम किया है,तो मैं थोड़ी अंदर की बात बताना चाहती हूं । ...(**व्यवधान**)...

कृषि मंत्री तथा उपभोक्ता मामले,खाद्य ओर सार्वजनिक वितरण मंत्री (श्री शरद पवार): मीडिया बैठा है । ...(**व्यवधान**)...

डा.(श्रीमती) नजमा ए.हेपतुल्ला : सर,कोई बात नहीं,मीडिया बैठा हो । क्योंकि अगर मैं इस वक्त सत्ता में डिप्टी चेयरमैन रहती तो अंदर की बात नहीं बताती । ...(**व्यवधान**)...चूंकि हमारा एक रूल है । ...(**व्यवधान**)...सर,हमारा एक रूल है कि जो चेयरमैन के चैम्बर में बात होती है,वह हाउस में नहीं दोहराते । चाहे सुषमा जी हों,चाहे सुरेश पचौरी जी हों,कोई भी यहां आकर उसकी चर्चा नहीं करते है । अब चूंकि मुझ पर वह पाबंदी नहीं है,इसलिए मैं कहूंगी । शायद मुझे लगता है कि अगर मेरी याद-दाश्त सही है,तो हाउस में यह मेरा 26वां साल है । शायद सबसे ज्यादा समय का अनुभव है । सर,उम्र में तो मैं आपने जूनियर हूं मगर इस हाउस में मुझे बहुत साल हो गए है । मैंने बहुत से चेयरमैन्स के साथ काम किया है । मैंने वैंकट रमन साहब,शंकर दयाल शर्मा,कृष्ण कान्त जी,नारायण साहब और आपके साथ भी काम किया है । मुझे लगता है कि आप सबसके साथ जो समन्वय रखते थे,चाहे वे अपोजिशन वाले हो,चाहे सत्ताधारी हों,उनके

साथ एक स्वभाव के साथ जो आपने यहां किया,वह तो सबने देखा,अंदर आपने मुश्किल मसलों का जिस तरीके से हल ढूंढा,मैं समझती हूं कि रह बात भी सबके सामने आनी चाहिए। यह हाउस न तो रूल बुक से चलता है औन न किसी कायदे-कानून से चलता है,यह परसनल रेपो से चलता है। आपने जो हाउस में काम किया,अंदर भी और बाहर भी,मैं उसके लिए आपको मुबारकबाद देती हूं और एक शेर है,"कि तुम जियों हजारों साल,साल के दिन हों पचास हजार। ...(**व्यवधान**)...थोड़ा अमेंडमेंट हुआ है,"आप न सिर्फ जियों हजारों साल",बल्कि सत्ता पर भी आप,जहां भी रहो,हजारों साल रहो" यही मेरी शुभकामना है।

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (DR. ANBUMANI RAMDOSS): Sir, I rise today as the youngest Member of this august House joining all my senior colleagues in this House in congratulating you on your successful completion of four wonderful years as Chairman. Sir, before coming to this House as a youngster and a fresher, I had a lot of apprehensions how I will be able to perform. But then, having come here, under your guidance and the confidence you infused in us, the youngsters like us, we are able to do what little we have done. Sir, along with my leader, Dr. Ramadoss, and my party, PMK, and the people of Tamil Nadu, I would like to once again congratulate you. Sir, the country owes a lot to you and also expects a lot more from you in the years to come. Thank you, Sir.

श्री संतोष बागड़ोदिया: सर,यह मेरे घर का मामला है,यह बात सही है। सर, 1986 में जब मैं पहली बार यहां पर मैम्बर बनकर आया,तब से लेकर अब तक मेरा बहुत से वाइस प्रेजिडेंट्स से सम्पर्क रहा है। जब मैं 1998 में इलैक्शन लड़ रहा था,तब आप राजस्थान में मुख्यमंत्री थे,मैंने देखा कि यहां भी बीजेपी की सरकार थी और वहां भी बीजेपी की सरकार थी,मैंने सोचा पता नहीं किस तरह की व्यवस्था रहेगी। मैं आपको बधाई देता हूं कि आप मुख्यमंत्री रहते हुए भी इतने फेयर ...(**व्यवधान**)...सही बात है,जो आपने कहा,मैं वहीं बोलने वाला था,फिर भी मैं जीतकर आया क्योंकि आप बहुत फेयर मुख्यमंत्री थे। इसके लिए भी आपको बधाई है और आपको धन्यवाद है। अभी 4 वर्ष से जो मेरा आपके साथ सम्पर्क रहा है,मैं दो वर्ष इंडस्ट्री का चेयरमैन भी रहा हूं,मैंने इस दौरान यह देखा कि आपने जो चेंजेज किए और जो हाउस में भी चेंजेजे किए, शुरू-शुरू में हमको लगता था कि यह सही नहीं है। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: ठीक है,ठीक है,क्वेश्चन ऑवर ...(**व्यवधान**)...

श्री संतोष बागड़ोदिया: सर,केवल एक सैकण्ड। अब लगता है कि उन चेंजेज से हाउस और कमेटी दोनों का भला हुआ है। आपको बहुत-बहुत शुभकामनाएं,धन्यवाद।

श्री सभापति: श्री वी.नारायणसामी । ...(**व्यवधान**)...यह फुल स्टॉप है,इससे आगे नहीं बोलेंगे । ...(**व्यवधान**)...श्री वी.नारायणसामी ।

SHRI V. NARAYANASAMY : Hon. Chairman, Sir, I am a privileged person today because you are kind enough to give me sweets, like a father gives to his son. I am a privileged person today. Sir, inside the House, I will be a party man; I will defend my party; but outside the House, I will be friendly with everybody, including my dear friend Shri Ahluwalia. Sir, when Najmaji was the Deputy Chairman of the Rajya Sabha, I had an opportunity to work with about five hon. Vice-Presidents. For the past three years, I have been working under you. It is a great opportunity for all of us. Whenever we get an opportunity to speak in this august House, when we come to you, you give us advice as to how issues have to be raised and especially, Sir, when issues related to farmers, Public Distribution System, and Scheduled Castes and Scheduled Tribes, and the housing problems of the people come, you take keen interest in the House during the Question Hour and during debates also, you put questions to the hon. Ministers to help those downtrodden people, and the oppressed and suppressed people of the society. Sir, I have got only one small problem because we have been either on this side or the other side of the House. Sushmaji knows that Shri Suresh Pachouri, Shri Ahluwalia, Shri Anand Sharma, and I were all on the one side. Sushmaji's throat has gone bad because of that only. We have to defend our party. Though we change sides, we don't leave our policies and our aim in life. Sir, one thing is that whenever we meet you, though we come with some problem, you used to soothe us giving sage advice, and you have been helping us to grow in this House and also outside the House and telling us how we should discharge our duty as sincere parliamentarians in this august House.

श्री ललित किशोर चतुर्वेदी(राजस्थान): सभापति जी,मैं भी कुछ कहना चाहता हूं ।

श्री सभापति: घर पर आकर बधाई दे देना ।

श्री मती विप्लव ठाकुर (हिमाचल प्रदेश): सर,घर पर आने पर डिनर खिलाएंगे ?

श्री सभापति: हां,खिला दूंगा ।

श्री ललित किशोर चतुर्वेदी : माननीय सभापति महोदय,मैं शायद इस सदन में ऐसा सदस्य हूं,जिसका सबसे लंबा परिचय और पहचान आपसे है और जिसे आपके साथ रहने का मौका

मिला है । मुझे 1946 से लेकर आज तक,यानी 59 वष्रोर तक लगातार आपको बहुत निकट से देखने का मौका मिला है । आप एक कुशल प्रशासक और एक संवेदनशील नेता के रूप में जाने जाते है । मुझे वह द्दश्य याद आता है,जिस समय राजस्थान में भयंकर अकाल पड़ा था ।वहां के मरे हुए लोगों की सूची तत्कालीन प्रधानमंत्री के पास पहुंचाने के लिए आपका जो परिश्रम था,मैं आज भी उस द्दश्य को याद करके इतना रोमांचित हो जाता हूं कि कुछ कह नहीं सकता । इस आसन पर बैठकर भी आपने पिछले 4 वर्षो में इस प्रकार बैलेंस रखते हुए,इतनी कामयाबी हासिल की है,मैं आपको आपके कार्यकाल के 4 वर्ष पूरेहोने पर बधाई देता हूं और धन्यवाद देना चाहता हूं । आपकी छत्रछाया हम लोगों पर लगातार इसी प्रकार,निरंतर बनी रहे,ऐसी कामना मैं करता हूं ।

श्री सभापति: माननीय सदस्यगण,मैं आज सुबह जब यहां आया,उस समय तक मुझे पता नहीं था कि मैं आज इस पद पर चार वर्ष पूरे कर रहा हूं,लेकिन यहां आने के पश्चात एक सज्जन बोले कि आपके कार्यकाल के चार वर्ष पूरे हो रहे है,मिठाई खिलाइए,तब मैंने थोड़ी सी मिठाई मंगाई और उस मिठाई ने इस प्रकार का संदेश दिया कि आज सब मुझे मिठाई खिलाने को तैयार बैठे है ।

माननीय सदस्यगण,आपका जिस प्रकार का स्नेह और सहयोग मुझे मिला,केवल यही कारण है कि मैं इस पद पर रहकर आपकी सेवा कर सका हूं । आज Question Hour था,मुझे इस बात का खेद है कि मेरे कारण Question Hour नहीं चल सका । मुझे कहीं लगता है कि क्वेश्चन ऑवर नहीं चले,इसके लिए किसी ने चतुराई की है ।

श्री सुरेश पचौरी: सर,यह देख लिया जाए कि किन सम्मानित मंत्रियों के प्रश्न आ रहे थे ।

श्री सभापति: मैंने वह देख लिया है ।

श्री उदय प्रताप सिंह: सर,एक बात यह थी कि रोज हाउस झगड़े में नहीं चलता था,आज मोहब्बत में नहीं चला ।

श्री सभापति: लेकिन मुझे मालूम है कि मंत्रिमंडल की सीट पर बैठ कर लोगों को जो इशारा कर रहे थे कि तुम बोला,तुम बोलो,तुम बोलो,उससे एक अनुमान लगाया जा सकता है । कि यह किसती चतुराई हो सकती है । उस चतुराई के लिए मैं धन्यवाद देना चाहता हूं । माननीय सदस्यगण मैं जब यहां आया था,मुझे इस बात का विश्वास नहीं था कि मैं सदन में बैठ कर चेयरमैन के नाते सदन का संचालन कर पाऊंगा । मैं स्वीकर के चेयर पर केवल एक बार बैठा था । जिस समय नए-नए सदस्य आते है,मैं प्रोटेम स्पीकर के रूप में बैठा था,इसके अलावा इस चेयर पर मैं बैठा हीनहीं । इस चेयर पर मैं जब बैठा,तो यह सही है कि ईश्वर की कृपा और आपकी कृपा बहुत रही कि मुझे आप लोगों को पूरा विश्वास मिला । मैं भी यह कह सकता हूं कि मैंने भी निष्ठापूर्वक काम करने की चेष्टा की है । उसमें यह भी हो सकता है कि कई माननीय सदस्य नाराज हों,कई

नाराज नहीं हों,लेकिन नाराज होने वाले सदस्यों के लिए भी मेरे दिमाग में एक टेंशन रहता था कि वे इस मामले से नाराज हुए होंगे,तो मैंने उनको व्यक्तिगत रूपसे बुला कर उस बात का समाधान करने की चेष्टा की ।यह सही है कि यहां आने के बाद मैंने सीखा बहुत है । इसमें कोई संदेह नहीं है । उस सीख का लाभ किस प्रकार से उठाया जा सके ,उसे मैं लगातार क्वैश्चंम से उठाता भी रहा हूं । मुझे आप सब लोगों का प्रेम मिला है । मुझे इस बात की बहुत खुशी है कि आप सब लोगों ने आज जिस प्रकार से मेरे प्रति सद् भावनाएं प्रकट की है,मैं इसके लिए आपका बहुत आभारी हूं । मैंयह भी समझता हूं कि आपने मुझे आज इस प्रकार का स्नेह दिया । मैं एक विश्वास लेकर आया था और मैने शायद पहले ही दिन इस हाउस में कह दिया था कि मैं चेयरमैन बन कर आ रहा हूं,लेकिन मैं आपको यह कह सकता हूं कि मेरे दिल में किसी प्रकार की राजनीति नही है और मैं राजनीतिक भेदभाव नहीं करूंगा । कोई मेरे ऊपर इस प्रकार का इल्जाम न लगाए कि मैंने राजनीतिक कारणों से एक प्रश्न को उठाया,दूसरे का जवाब दिलवाया,तीसरी बात की,मैंने इसका प्रयत्न किया है । जब मुझे पार्टी के नेताओं के वाइस-प्रेसीडेंट बना कर भेजा था,वह दृश्य मुझे आज याद है कि मैं जब निकलने लगा,तो पार्टी के लोग भी रोए और मैं भी रोया और रोते-रोते न तो वे रूके और न मैं रूका । लेकिन मेरे दिमाग में यह बात आई कि जिस प्रकार के मेरे संस्कार है,उन संस्कारों के आधार पर मुझे इस कार्य का संचालन करना है । मैंने निष्पक्षता से कार्य का संचालन करने का प्रयत्न किया । मुझे बहुत खुशी हुई कि आज आप सब लोगो ने मुझे इस बात का आशीर्वाद दिया । मैं आपके प्रति बहुत-बहुत आभारी हूं ।

जहां तक उम्र का प्रश्न आता है, आपमें से अधिकांश उम्र में मुझसे छोटे है । मैं 83 वर्ष का हो रहा हूं,कोई भी यहां 83 से ऊपर का नहीं होगा,नहीं है न । इसका भी मुझे थोड़ा लाभ हुआ कि मेरी उम्र के कारण से भी आप लोगों ने उम्र का लिहाज रखा,मेरे काम में सहयोग दिया । मैं आप लोगों को बहुत-बहुत धन्यवद देना चाहता हूं, ...(**व्यवधान**)...एक मिनट है,मैं धन्यवाद देना चाहता हूं ,खास तौर से बागड़ोदिया जी को,जो हमारे राजस्थान से ही आते है । वे राजस्थान से आते है,मैं उन्हें अच्छी तरह से जानता हूं । लेकिन जिन माननीय सदस्यों को मैं नहीं जानता,मैं ऐसा समझता हूं कि मेरे प्रति उनका भी इतना स्नेह है कि वे जहां कहीं भी मिल जाते है,तो उसी स्नेह से बात करते है । कहीं यह पता हीनहीं रहता कि वे मैम्बर है और मैं चेयरमैन हूं,लेकिन जब मिलते है,उस समय इस प्रकार का भेद बिल्कुल खत्म होता है । मुझमें भी एक आत्मसंतोष पैदा होता है कि मेरे यहां आने के कारण से किसी से मेरी दुश्मनी नहीं हुई । मैं अपने जीवन में एक उद्देश्य लेकर चल सकता हूं कि राजनीति में विरोधी तो हो सकते हैं,लेकिन दुश्मन नहीं हो सकता और मैं किसी को दुश्मन नहीं बनाऊंगा । इसी आधार के ऊपर मैं काम करता आया हूं । अब इसकी परीक्षा आपके हाथ में है । इस परीक्षा के अन्तर्गत आपने मुझेजो आशीर्वाद दिया है,उसके लिए में आपके प्रति बहुत-बहुत आभार करता हूं । धन्यवाद । Question Hour is over.